एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2015
थियेटर
भारतीय शास्त्रीय नाटक, इतिहास और साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रथम खण्ड की पाँचों इकाईयों से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है । द्वितीय खण्ड का प्रश्न अनिवार्य है ।

प्रथम खण्ड 6x5=30

इकाई-I 1. नाट्यशास्त्र पर आपके विचार प्रस्तुत कीजिये ।

अथवा

भारतीय नाटक की उत्पत्ति पर एक लेख लिखिये ।

इकाई-II 2. भरत के अनुसार बताए गये अभिनय के प्रकारों पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

नाट्यशास्त्र में वर्णित प्रेक्षागृहों के प्रकारों पर चर्चा कीजिये ।

इकाई-III 3. 'विभावानुभावव्यभिचारीसंयोगाद्सनिष्पत्तिः' इस रस सूत्र को समझाइये ।

अथवा

'अभिनय दर्पण' पर निबन्ध लिखिये ।

इकाई-IV 4. संस्कृत नाटक साहित्य पर टिप्पणी लिखिये ।

अथवा

नाट्यशास्त्र एवं अन्य नाट्य सम्बन्धी शास्त्रों के अन्तर्सम्बन्धों को स्पष्ट कीजिये ।

इकाई-V 5. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' नाटक पर एक समीक्षात्मक टिप्पणी कीजिये ।

अथवा

'आधुनिक युग में संस्कृत नाटकों का स्वरूप' इस विषय पर एक निबन्ध लिखिये ।

IKSV MMXV-XVI 2

द्वितीय खण्ड 1x5=5

खाली स्थान की पूर्ति कीजियेः-

1. नाट्यशास्त्र के रचनाकार ------ हैं ।
2. दुष्यन्त ------ नाटक का पात्र है ।
3. मालविकाग्निमित्र नाटक ----- द्वारा लिखा गया ।
4. उरुमंगम नाटक ------ द्वारा लिखा गया ।
5. रस सूत्र के प्रणेता ----- हैं ।

xx

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2015
थियेटर
आधुनिक भारतीय नाटक (इतिहास और साहित्य)
द्वितीय प्रश्नपत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रथम खण्ड की पाँचों इकाइयों से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है । द्वितीय खण्ड का प्रश्न अनिवार्य है ।

प्रथम खण्ड 6x5=30

इकाई-I 1. 'आधुनिक भारतीय नाटकों के विकास पर काल और समय का प्रभाव स्पष्ट दिखायी देता है ।' इस आधार पर आधुनिक भारतीय नाटकों के विकास को विश्लेषित कीजिये ।

अथवा

आधुनिक हिन्दी नाटक को हिन्दी साहित्य की अन्य विधाओं ने किस तरह प्रभावित किया है ? स्पष्ट करें ।

इकाई-II 2. बांग्ला रंगमंच और हिन्दी रंगमंच का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए उनके एक-दूसरे पर प्रभाव का विश्लेषण कीजिये ।

अथवा

मराठी रंगमंच पर समकालीन समस्याओं के प्रभाव को रेखांकित कीजिये ।

इकाई-III 3. हिन्दी रंगमंच के विकास में राधेश्याम कथावाचक के अवदान का विस्तृत विवेचन कीजिये ।

अथवा

छत्तीसगढ़ के लोकनाट्य 'नाचा' के प्रस्तुति विधान की विस्तृत व्याख्या कीजिये ।

इकाई-IV 4. भारतीय जननाट्य संघ के विकास में पृथ्वी थियेटर की भूमिका बतलाइये ।

अथवा

हबीब तनवीर के नया थियेटर के हिन्दी नाटकों के विकास में योगदान पर प्रकाश डालिये ।

इकाई-V 5. मोहन राकेश अथवा विजय तेन्दुलकर के नाटकों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक की विशेषताएँ लिखिये ।

द्वितीय खण्ड 1x5=5

1. प्रियंगुमंजरी किस नाटक की स्त्री पात्र है ?
2. महाराष्ट्र का लोकनाट्य----- है ।
3. परेश रावल ------नाट्य संस्था से जुड़े हैं ।
4. गिरीश कर्नाड का प्रमुख नाटक------ है ।
5. 'हानूश' नाटक में हानूश ने----- बनाया था ।

xx